वीर माधो सिंह भंडारी उत्तराखंड प्रौद्योगिकी विवि में आयोजित विज्ञान-प्रौद्योगिकी एवं नवाचार महोत्सव में चुने गए टीचर आफ ईयर का पुरस्कार प्राप्त शिक्षक यूटीयू के कुलपति प्रो. ओंकार सिंह के साथ • साभार विवि

नवाचार आधारित शिक्षा पर देना होगा जोर

जागरण संवाददाता, देहरादून : वीर माधो सिंह भंडारी उत्तराखंड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (यूटीयू) में आयोजित चार दिवसीय अंतरराष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी महोत्सव का समापन हो गया। पुलिस महानिदेशक अभिनव कुमार ने कहा कि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी प्रदर्शनी में विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों के छात्रों एवं विज्ञानियों ने नवाचार आधारित प्रोजेक्ट्स का प्रदर्शन किया। कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति को राष्ट्र को समर्पित करते हुए संकल्प लिया था कि वह भारतीय समाज को वैज्ञानिक दृष्टिकोण वाला बनाएंगे। इसके लिए उन्होंने जोर दिया कि स्कूली जीवन से ही छात्रों में विज्ञानी दृष्टिकोण विकसित किया जाना चाहिए। इस दिशा में देहरादून में अंतरराष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी महोत्सव मील का पत्थर साबित होगा।

यूटीयू में चार दिवसीय अंतरराष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी महोत्सव का समापन, टीचर आफ द ईयर चुने शिक्षक सम्मानित

मुख्य अतिथि ने शनिवार को महोत्सव के समापन अवसर पर टीचर आफ द ईयर चुने गए शिक्षकों को सम्मानित किया। चार दिवसीय महोत्सव में स्कूल जाने वाले बच्चे, विज्ञान, इंजीनियरिंग और मेडिकल के छात्र, विज्ञानी लेखक, विज्ञान और प्रौद्योगिकी से जुड़े लोग शामिल हुए। विज्ञान प्रौद्योगिकी महोत्सव में साइंस पोस्टर, स्पेस साइंस क्विज, मैजिक आफ मैथ, एयरो माडलिंग, रोबोटिक्स, सर्किट बोर्ड डिजाइनिंग, माडल राकेटरी, ड्रोन वर्कशाप, यंग साइंटिस्ट एंड स्टार्टअप, ग्रीन एनर्जी कान्क्लेव, मेडिकल टेक्नोलो, बायोटेक्नॉलोजी कॉन्क्लेव, साइबर सिक्योरिटी सहित 35 इवेंट्स का आयोजन किया गया। यूटीयू विश्वविद्यालय ने चार दिवसीय इस महोत्सव के आयोजन किए जाने से पूर्व एक दिवसीय आयोजन चमोली, टिहरी, उत्तरकाशी, चंपावत और पिथौरागढ़ जिले में भी किए गए। समापन के अवसर पर यूटीयू के कुलपति डा. ओंकार सिंह, यूकास्ट के महानिदेशक डा. दुर्गेश पंत, आइआइपी के निदेशक डा. हरेंद्र बिष्ट, निदेशक तकनीकी शिक्षा डा. आरपी गुप्ता, संयुक्त निदेशक उच्च शिक्षा डा. एएस उनियाल, यूसर्क की निदेशक डा. अनीता रावत, डा. अमित अग्रवाल,डा. नवीन सिंघल, डा. सौरभ मिश्रा आदि मौजूद रहे।